एफआईआर दर्ज विषाक्त भोजन से हुई थी छात्र की मौत, 14 हुए थे फूड प्वाइंजनिंग का शिकार

नौनिहालों के जीवन से खेल रहा था छात्रावास अधीक्षक

जांच में खुलासा : कर्मचारियों पर दबाव डाल घटिया सामग्री से बनाया था भोजन

नवभारत, जबलपुर। कुंडम थाना अंतर्गत हरदुली कला छात्रावास में 20 अगस्त 25 को 14 छात्र फूड प्वाइंजनिंग का शिकार हो गए थे। जिनमें से एक की मौत हो गई थी। इस मामले में जांच पड़ताल के बाद पुलिस ने छात्रावास अधीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज दर्ज कर ली गई है। जांच में खुलासा हुआ कि अधीक्षक छात्रों की जान से खिलवाड़ कर रहा था। इसके साथ ही घटिया सामग्री से भोजन बनवाता था। इसी भोजन से एक छात्र की जान गई। मामले में कुंडम पुलिस ने आरोपित अधीक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है।

विदित हो कि राजाराम धुर्वे 14 वर्षीय कक्षा 9 वीं का छात्र था और हरदुली छात्रावास में रह कर पढाई कर रहा था। 20 अगस्त को वे बीमार पड़ गया था। इसके साथ ही 13 अन्य छात्रों की भी तबियत बिगड़ गई थी। 21 अगस्त को राजाराम को इलाज के लिए शासकीय अस्पताल कुंड म में भर्ती कराया गया था जहां से उसकी हालत नाजुक देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जबलपुर ले जाया गया था रास्ते में छात्र ने दम तोड़ दिया था। कुंडम पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया था।

पीएम से नहीं सुलझी गुत्थी, विसरा प्रिजर्व, एफएसएल जांच हुई

सूत्रों के मुताबिक पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजा था। बाद में मृतक की पीएम रिपोर्ट आई। पीएमकर्ता डाक्टर द्वारा मौत का सही कारण न बताते हुये विसरा प्रिजर्व किया गया था। मृतक के शव का परीक्षण किया गया । इस दौरान मौत का स्पष्ट ओपिनियन न देने हुये विसरा प्रिजर्व किया गया था। विसराा एफएसएल परीक्षण के लिए आरएफएसएल भेजा गया। जिसकी परीक्षण रिपोर्ट प्राप्त हुई जो परीक्षणकर्ता वैज्ञानिक अधिकारी ने विसरा परीक्षण रिपोर्ट में भेजे गया था। रिपोर्ट में इस बात का पता चला कि मौत बीमारी से नहीं हुई है। मौत विषाक्त भोजन के सेवन से हुई है।

खाद्य विभाग ने भी जांच गुणवत्ता बताई असुरक्षित

पुलिस ने छात्रावास हरदुली कला से सूखा गेहूं का आटा, गेंहू, चावल, अरहर का दाल जब्त किया था जिसे जब्त करते हुए परीक्षण के लिए खाद्य विभाग को भेजा गया। खाद्य विभाग ने परीक्षण रिपोर्ट में सूखा गेंहू का आटा , गेंहू, चावल, अरहर का दाल की गुणवत्ता असुरक्षित होना लेख किया है। सम्पूर्ण मर्ग जांच में साक्षियों, परिजनों, छात्रों, छात्रावास के कर्मचारियो के बयान एवं खाद्य विभाग की रिपोर्ट, चिकित्सीय राय के आधार पर आरोपी गजेन्द्र सिंह झारिया के खिलाफ धारा 105,125,125 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया गया है।

डयूटी से रहते थे गायब, लाते थे घटिया भोजन सामग्री

छात्र की मौत की गुत्थी सुलझाने के लिए पुलिस ने मृतक के परिजनों, छात्रावास के कर्मचारियों छात्रों समेत अन्य के बयान दर्ज किए। जिसमें यह बात सामने आई कि जून जुलाई माह से छात्रावास में नए अधीक्षक के रूप में गजेन्द्र सिंह झारिया की पदस्थापना हुई थी जो छात्रावास की रेख देख नहीं करते थे। महीना, 15 दिन मे कभी कभी आते थे और घटिया (खराब) छात्रावास में छात्रो के खाने के लिये गेंहू आटा चावल दाल आदि स्वत: लाते है और उक्त घटिया सामग्री को भोजन बनाने के लिये छात्रावास के कर्मचारियो को दबाब बनाकर छात्रो को खराब भोजन कराते है। इसी कारण से छात्रावास का छात्र राजा राम धुर्वे एवं अन्य 13 लडके छात्रावास का भोजन करके बीमार पड गये थे और इसी दौरान फूड प्वाइंजनिंग होने से लडका राजा राम धुर्वे की मौत हुई।

1500 कर्मचारियों की नहीं हुई पहचान, ई अटेंडेंस से रहे गायब

4 माह पहले इन सभी के नाम पर निकलता रहा वेतन

नगर निगम के खजाने को किया जा रहा था खाली

निगमायुक्त के फरमान के बाद खुली भ्रष्टाचार की पोल

नवभारत, जबलपुर। नगर निगम में आउटसोर्स कर्मचारियों के नाम पर करीब एक से डेढ करोड़ रुपए का बंटबबांट कर दिया गया है। इस बड़े भ्रष्टाचार में कौन कौन शामिल हैं, उनसे रिकवरी कैसे होगी ये आगे की निगम प्रशासन की कार्रवाई तय करेगी।

पूरा खुलासा उस वक्त हो गया जब निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार द्वारा विगत 1 सितंबर से चेहरा पहचान ई अटेंडैंस व्यवस्था लागू की और सख्त निर्देश दिए कि जो भी आउटसोर्स कर्मचारी जहां ड्यूटी कर रहा है वो अपनी हाजिरी ई अटेंडैंस के जरिए लगाएगा और निगम में अपनी पहचान दर्ज कराएगा।

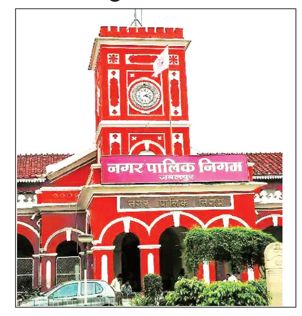

जो ऐसा नहीं करेगा उसका वेतन नहीं बनेगा। जानकारी के अनुसार 1 सितंबर से दिसंबर माह तक 7200 पंजीकृत अधिकारी-कर्मचारियों में से कुल 5700 ने ही ई अटेंडैंस में अपनी-अपनी हाजिरी लगाई और 1500 कर्मचारी इस व्यवस्था से गायब रहे। मतलब साफ था कि इसके पहले ठेकेदारों व अधिकारियों की मिलीभगत से नगर निगम का खजाना इन कर्मचारियों के वेतन भुगतान से खाली कराया जा रहा था जबकि ये कहां नौकरी करते हैं ये किसी को नहीं पता था, बस कागजों में इनका जिक्र था।

स्थापना शाखा में दर्ज हैं 7200 कर्मचारी

विदित हो कि नगर निगम के स्थापना विभाग में कुल 7200 कर्मचारी पंजीकृत हैं जिनमें करीब 4500 आउटसोर्स कर्मचारी हैं और वहीं नियमित व संविदा कर्मचारियों की संख्या 2504 है। जानकारों का कहना है कि यदि 500 निगम के कर्मचारी किसी कारणवश ई अटेंडैंस नहीं लगाए पाए हों तो लेकिन फिर भी 1 हजार बचे कर्मचारियों का आंकड़ा तमाम सवाल खड़े कर रहा है।

नाले के पानी से उगाई जा रहीं सब्जियों के मामले में कोर्ट सख्त

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने नाले के गंदे व विषैले पानी से सब्जी उगाने के मामले को सख्ती से लिया। मामले पर सुनवाई के दौरान मप्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल ने नालों के पानी की जांच रिपोर्ट पेश की गई, जिसमें चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। शहर के लगभग सभी नालों के पानी में भारी मात्रा में सीवेज मिलता है, जिस कारण वह अत्यंत दूषित है। यह पानी पीने, निस्तार और सिंचाई के लिए पूर्णत: अनुपयोगी है। चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा व जस्टिस विनय सराफ की युगलपीठ ने सरकार को कहा कि प्रदूषण बोर्ड के सुझावों पर तत्काल अमल करके रिपोर्ट पेश करें। मामले पर अगली सुनवाई 2 फरवरी को नियत की गई है। जबलपुर में 174 मेगालीटर प्रतिदिन वेस्ट वॉटर नालों में जाता है, जिसमें से नगर निगम द्वारा 13 सीवेज प्लांट्स के जरिए केवल 58 मेगालीटर प्रतिदिन पानी का ट्रीटमेंट किया जाता है। यह पानी नर्मदा तथा हिरन नदी में मिलाया जाता है। न्यायालय को बताया गया कि प्लांट्स की कुल क्षमता 154.38 मेगालीटर प्रतिदिन की है। इसके लिए समय-समय पर करोड़ों रुपए की राशि का आवंटन भी किया गया है। हाल ही में नगर निगम जबलपुर को अमृत 2.0 सीवर योजना अंतर्गत 1202.38 करोड़ राशि स्वीकृत हुई है। मामले में प्रदूषण बोर्ड की ओर से अधिवक्ता सिद्धार्थ सेठ ने बताया कि हाईकोर्ट के निर्देश पर कृषि अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी और प्रदूषण बोर्ड की संयुक्त टीम ने 23 नवंबर 2025 को ओमती नाला, मोती नाला, खूनी नाला, उदरना नाला सहित अन्य नालों से पानी का सेंपल लेकर जांच की थी नमूना रिपोर्ट और जांच से स्पष्ट है कि यह अनुपचारित सीवर का जल है जो पीने, नहाने या खेती सहित किसी भी अन्य उपयोग के लिए उपयुक्त नहीं है। डेमोक्रेटिक लॉयर फोरम की ओर से रविंद्र गुप्ता द्वारा शीघ्र ही सही साफ और बिना संक्रमित पानी पीने लायक घरों में सप्लाई करने हेतु नगर निगम सक्षम नहीं है इसलिए संपूर्ण मामले की पर सही कार्रवाई हेतु एक मॉनिटरिंग कमेटी बनाने की मांग की है।

तालाब में डूबे युवक की मौत

जबलपुर। कुंडम थाना अंतर्गत खुककम तालाब में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक कुंडम खुककम निवासी दलपत सिंह परस्ते 40 वर्षीय का बुधवार सुबह गांव के तालाब की ओर शौच करने गया तभी पैर फिसलने से अनियंत्रित होकर वह तालाब में गिर गया और डूबने से उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और शव को तालाब से बाहर निकाला गया जिसके बाद शव को पीएम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है ।

विद्युत पोल से टकराई बाइक, दो की मौत

आदि प्लाजा के पास हुआ हादसा

नवभारत, जबलपुर। विजय नगर थाना अंतर्गत आदि प्लाजा के पास बुधवार सुबह तेज रफ्तार मोटर सायकिल विद्युत पोल से टकरा गई । हादसे में दोनों युवकों की घटना स्थल पर दर्दनाक मौत हो गई ।

विजय नगर के मुताबिक बुधवार को प्रांजल वर्मा 29 वर्ष निवासी ग्राम रौसरा स्टेशनगंज नरसिंहपुर ने बताया कि विजय वर्मा 24 वर्ष एवं रोहित पटेल 25 वर्ष दोनों निवासी रोसरा स्टेशनगंज उसके घर के सामने रहते थे, दोनों का आदि प्लाजा के पास एक्सीडेंट हो गया। सड़क दुर्घटना में आयी चोटों के कारण दोनों की मौत हो गयी। टीआई राजेन्द्र सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आ रही है कि मृतक बाइक से कहीं जा रहे थे वह जैसे ही आदि प्लाजा के पास पहुंचे तभी उनकी मोटर सायकिल अनियंत्रित होकर समीप ही विद्युत पोल से टकरा गई। बाइक की रफ्तार काफी तेज थी जिसके चलते हादसा हुआ। गंभीर चोटों आने से दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। शवों को पीएम के लिए भिजवाते हुये मर्ग कायम कर लिया गया है । मामले की विस्तृत जांच जारी रही है।

इधर घायल ने तोड़ा दम

पनागर थाना क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल ने इलाज के दौरान मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। पनागर पुलिस ने बताया कि बुधवार को मेडिकल कालेज से सूचना मिली कि अंकित पाठक 27 वर्ष निवासी ग्राम नरगवॉ का सड़क दुर्घटना मे घायल होकर मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया था। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गयी है।

कारों की टक्कर से 6 घायल

बरेला नर्मदा ग्रीन्स के पास कार की टक्कर से तीन लोग घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक संजू सिंह 24 वर्ष निवासी रानीताल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि बुधवार को नर्मदा ग्रीन्स के पास कार क्रमांक एमपी 20 सीएफ9651 के चालक ने दोस्त साहब सिंह, महेन्द्र सिंह, अर्जुन सिंह को टक्कर मार चोट पहुंचा दी। इसी प्रकार कटंगी थाना अंतर्गत उडकी तिराहे के पास कार क्रमांक एमपी 16 सीबी 3037 के चालक ने तेज गति एवं लापरवाही पूर्वक चलाते हुये धरमराज ठाकुर, रवि राठौर, राजेन्द्र काछी को पीछे से टक्कर मार दी जिससे तीनों को हाथ पैर शरीर में चोटे आ गयी।

आधा तोला गोल्ड, बीस तोला चांदी समेत नगदी चोरी

सरोली बाईपास में दिनदहाड़े वारदात

नवभारत, जबलपुर। मझगवां थाना अंतर्गत सरोली बाईपास में चोरों ने बुधवार को दिनदहाड़े एक सूने घर का ताला तोड़कर आधा तोला गोल्ड, बीस तोला चांदी समेत नगदी रूपए पार कर दिए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और प्रकरण दर्ज कर पतासाजी में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक विक्की सेन 23 वर्ष निवासी ग्राम देवरी नवीन ने रिपोर्ट दर्ज करायी कि सरोली बाईपास में उसकी कटिंग की दुकान है माह फरवरी 2026 में उसकी शादी होने वाली है बुधवार को उसके पिता रामकुमार सेन ने उसे 5 हजार रूपये देकर बोले कि मझगवॉ जाकर बस बुक कराओ तो वह मझगवॉ आ गया, पिता खेत चले गये घर में बहन एवं छोटा भाई सचिन था जो ऊपर वाले कमरे में थे। दोपहर 12 बजे बहन नीचे वाले कमरे में आयी तथा 12-30 बजे कमरे का दरवाजा बंद कर उपर छत पर चली गयी थी लगभग 1 बजे रोशनी नीचे आकर देखी दरवाजा खुला था, अंदर जाकर देखी पेटी का ताला पेटी के ऊपर रखा था पेटी खोलकर देखने पर 1 सोने की झुमकी वजनी आधा तोला, चांदी का करधन वजनी 20 तोला, 9 हजार 500 रूपये नहीं थे।

चिटलर बिल्डर पर दो और एफआईआर दर्ज

प्लाट बेचने के नाम पर 11 लाख हड़पे

नवभारत, जबलपुर। चिटलर बिल्डर ने प्लाट बेचने के नाम पर दो और लागों को चपत लगाई। एक से 10 लाख तो दूसरे से एक लाख रूपए ऐंठे। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ दो और एफआईआर दर्ज कर ली है। इसके पहले तीन प्रकरण दर्ज किए जा चुके है। पुलिस के मुताबिक अशोक कुमार नामदेव पिता स्व.हुलाशी नामदेव 65 वर्ष निवासी टेमरभीटा गोराबाजार ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष जुलाई 2022 में विक्रेता मेसर्स जी.के. एस. कन्ट्रक्शन कम्पनी मालिक रमनीत सिह सेठी पिता रविन्द्र सिंह सेठी 46 वर्ष निवासी प्रीत बिहार साई मंदिर के पास नर्मदा रोड से ग्राम बरेला किसानी वार्ड न1, खम्हरिया स्थित प्लाट रजिस्ट्री सहित 10,0000 रूपए नगद रमनीत सिंह को दिया था। उक्त प्लाट के नामांतरण के लिये बरेला तहसील कार्यालय में किया जहां से जानकारी प्राप्त हुई तहसील कार्यालय मे बताये कि आपके नाम पर नामांतरण इसलिये नही हुआ क्योकि जमीन कम है फिर रमनीत सिंह सेठी के पास गया तो उन्होंने कहा कि जमीन पूरी है नम्बर गलत डल गया होगा। सुधार करवा दूंगा उक्त जमीन पर उसका कब्जा है किन्तु रमनीत सिंह सेठी द्वारा नामांतरण नही करवाया गया। इसी प्रकार सुधीर उपाध्याय पिता स्व. राधेश्याम उपाध्याय 46 वर्ष निवासी किसानी मोहल्ला वार्ड न. 02 बरेला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वर्ष 2024 सितम्बर माह में रमनीत सिंह सेठी रविन्द्र सिंह सेठी उसके पास आया और कहा कि पाँच लाख रूपये की जरूरत है जिसके एवज में बरेला कैनाल स्थित तीन प्लाट कम कीमत पर उसे बेचने का रमनीत सिंह द्वारा अनुबंध किया था। 1200 वर्गफिट 500 रूपये वर्गफिट के हिसाब से 6,00,000 रूपये का सौदा हुआ जिसमें से एक लाख रूपये तुरंत दे दिये थे एवं चार लाख रूपये रमनीत सिंह सेठी ने बैंक से फायनेस करवाने को कहा और बाकी के एक लाख रूपये रजिस्ट्री के समय देने को कहा। उसके पश्चात निरंतर सम्पर्क करता रहा और ये हमेशा लोन होने का बहाना बताता रहा। रमनीत सिंह सेठी व्दारा एक लाख रूपये लेकर धोखाधडी कर प्लाट की रजिस्ट्री नहीं करा रहा है ना ही पैसे वापस कर रहा है।

खमरिया थाना प्रभारी हुई लाइन हाजिर

जबलपुर। पुलिस व्यवस्था में और कसावट लगाने पुलिस अधीक्षक ने एक बार फिर थाना प्रभारियों में फेरबदल कर दिया। अब खमरिया थाना प्रभारी सरोजनी टोप्पो को लाइन अटैच कर दिया गया है। जबकि बेलबाग थाना प्रभारी राजकुमार खटीक को खमरिया थाने की कमान सौंपी गई है। पुलिस लाइन से जितेंद्र पाटकर को बेलबाग थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। विदित हो कि इसके पहले मदनमहल थाना प्रभारी संगीता सिंह को लाइन अटैच किया जा चुका है।

नवजात की संदिग्ध मौत, छानबीन में जुटी पुलिस

परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप

नवभारत, जबलपुर। मझौली थाना अंतर्गत पटोरी में रहने वाली एक 22 दिन की नवजात शिशु की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। मामले में बुधवार को पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा जिसके बाद जो तथ्य सामने आएंगे उसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। पुलिस के मुताबिक बुधवार को राजेश भूमिया 26 वर्ष निवासी ग्राम पटोरी ने सूचना दी कि उसकी पत्नी रोशनी भूमिया ने 17 दिसम्बर 25 को मेडिकल कालेज में एक बच्ची को जन्म दिया था जिसका नाम हम लोगों ने नमामि रखा था। 3 जनवरी 26 को मेडिकल कॉलेज से छुट्टी कराकर पत्नी एवं बेटी को घर ले गया था। 6 जनवरी 26 को गांव की आंगनबाड़ी की सीएचओ रिया राय मेडम ने कहा कि बच्ची को मझौली अस्पताल में दिखा दो, 8 जनवरी को बच्ची को दिखाने के लिये पत्नी रोशनी के साथ शासकीय अस्पताल मझौली आया जहां पर डाक्टर ने उसकी बेटी का उपचार किया और बाटल चढ़ाई थी। बेटी नमामि को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया था शाम लगभग 4 बजे बेटी नमामि को मझौली अस्पताल से घर ले गया था। बीती रात लगभग 12-30 बजे बेटी नमामि 22 दिन की मौत हो गई।

छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने नगर निगम की पहल

अब और भी आसान होगा ऋण मिलना : निगमायुक्त

नवभारत, जबलपुर। पी.एम. स्वनिधि योजना योजना के तहत शहर के छोटे व्यापारियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए नगर निगम ने कमर कस ली है। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने नगर निगम के अधिकारियों, एल.डी.एम., सिटी मिशन मैनेजर, सामुदायिक संगठकों और विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को समय सीमा में पूरा करना और पात्र हितग्राहियों तक लाभ पहुँचाना रहा। समीक्षा बैठक के दौरान निगमायुक्त ने आत्मीय भाव से सभी बैंकर्स को अनुरोध के साथ कहा कि पी.एम. स्वनिधि योजना के पात्र हितग्राहियों को लाभांवित करना केवल लाभ देना नहीं बल्कि यह परोपकार का काम भी है।

इस दौरान निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को प्रथम किश्त अब 10,000 के स्थान पर 15,000 रुपये तक का ऋण मिलेगा। द्वितीय किश्त समय पर भुगतान करने वालों को 25,000 रुपये का ऋण दिया जाएगा। तृतीय किश्त इसके बाद 50,000 रुपये तक की बड़ी आर्थिक सहायता का प्रावधान है। डिजिटल लेनदेन करने वाले विक्रेताओं को सालाना 1,200 रुपये तक का कैशबैक और समय पर पुनर्भुगतान करने पर 7 प्रतिशत की ब्याज सब्सिडी भी दी जाएगी। निगमायुक्त ने बैठक में जोर देकर कहा कि 'हमारा लक्ष्य केवल ऋण वितरण नहीं, बल्कि हर छोटे वेंडर को आत्मनिर्भर बनाना है। बैंकर्स और निगम की टीम एक साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे। बैठक में अपर आयुक्त मनोज श्रीवास्तव, उपायुक्त अंकिता जैन, एल.डी.एम. जबलपुर दिवाकर ठाकुर के अलावा सभी बैंकों के प्रतिनिधि, सिटी मिशन मैनेजर और सामुदायिक संगठक आदि उपस्थित रहे।

कढ़ाई का तेल उड़ेला, झारा से किया हमला, जीजा-साले घायल

नवभारत, जबलपुर। मदन महल रेल्वे स्टेशन 01 नंबर पर कार सवार बदमाशों ने जीजा-साले पर झारा से हमला कर कढाई का तेल उड़ेल दिया। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने रिपोर्ट पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक यश साहू ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वे पोली कैंप कम्पनी में सीनियर मैनेजर के पद पर पदस्थ है। कुछ दिन पहले ट्रान्सफर जबलपुर हुआ है। ससुराल दमोहनाका पारिजात बिल्डिंग के पास है। कल भोपाल स्टेशन से पत्नि वंशिका साहू के साथ ट्रेन से जबलपुर आया और मदन महल रेल्वे स्टेशन 01 नंबर पर उतरा जहां उसका साला प्रखर साहू उसकी कार क्रमांक एमपी 04 सीडब्ल्यू 5198 को लेकर उसे रिसीव करने आया था। स्टेशन के बाहर आया तो देखा कि साले प्रखर की गिरवान कुछ लड़के पकड़े थे तुरंत कार के पास पहुंचा तो दोनों लड़के साले प्रखर साहू से बोले कि दो हजार रूपये शराब पीने के लिए दो उसने मना किया तो लड़को में एक लड़का प्रखर को तमाचा मारा। उसे रोकने की कोशिश किया तो दोनो लड़के पत्नी का बैग फेंक दिये और झूमा झपटी करने लगे उसे सिर पर पत्थर मारा और कार से भागने लगे। पत्नि वंशिका और साला प्रखर साहू बीच बचाव के लिए दौड़े तो वही ठेला में रखी कढ़ाई का तेल डाल दिये और उसी ठेला का लोहे का झारा उठाकर हमला कर उसे एवं उसके साले को चोट पहुंचा दी। दोनों लड़कों के नाम प्रसन्न सिंह रघुवंशी और नितिन रघुवंशी है।

जहां की बदमाशी वहां से पुलिस ने निकाला गुंडों का जुलूस

नवभारत, जबलपुर। रांझी पुलिस ने रंगदारी मांगने वाले कुख्यात बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया इसके बाद बदमाशों को पुलिस वहां ले गई जहां वे बदमाशी करते हुए हफ्ता वसूली कर दहशतगर्दी फैला रहे थे। आरोपियों का जुलूस निकालने के बाद पुलिस ने न्यायालय के समक्ष पेश किया। कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया गया है। टीआई उमेश कुमार गोल्हानी ने बताया कि संदीप सिंह ठाकुर निवासी पुराना शोभापुर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वे स्कूल वेन चलाता है। पनेहरा पेट्रोल पम्प के सामने उसका बेटा अभिषेक पान की दुकान संचालित करता है। 13 जनवरी की रात्री करीब 10:30 बजे प्रवीण रजक , सांटू यादव एवं अनिल सोनी तीनों उसके घर में घुस गए और कहने लगे कि स्कूल बेन एवं पान की दुकान मे बहुत पैसे कमा रहे हो हमें हर हफ्ते 2000 देना पड़ेगे मना करने पर उसके साथ मारपीट की। पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। आरोपित प्रवीण रजक पिता महेश रजक 26 वर्ष निवासी रांझी पर 26 एवं आकाश उर्फ शांटू यादव पिता शिव सिंह यादव 25 वर्ष निवासी गोकलपुर के खिलाफ 8 अपराध हत्या के प्रयास, अवैध वसूली, मारपीट, आर्म्स एक्ट, आबकारी एक्ट के तहत दर्ज है। बदमाशों के खिलाफ रिपोर्ट करने में नागरिक डरते थे। जिसकेचलते उनके खिलाफ प्रभावी कार्यवाही की गई। आरोपी प्रवीण, आकाश को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर पुलिस क्षेत्र की जनता के बीच ले गई ताकि उनका डर खत्म हो सके। आरोपी कान पकड़कर नागरिकों से माफी मांगते नजर आए।

समस्या जनप्रतिनिधियों ने उठाई आवाज, कहा इस ओर दिया जाए ध्यान

कॉलोनी का गंदा पानी नर्मदा के आंचल को कर रहा मैला

नवभारत, जबलपुर। गौरीघाट सांई धाम के पास स्थित सुख सागर ब्लू कॉलोनी का गंदा पानी रेलवे पंप हाउस के पास से होते हुए सीधे नर्मदा नदी में मिल रहा है। गौरीघाट क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने इस गंभीर समस्या की आवाज बुलंद करते हुए जिला व निगम प्रशासन से मांग की है कि इस गंदे पानी को नर्मदा नदी में जाने से जल्द से जल्द रोका जाए, क्योंकि प्रतिदिन बड़ी संख्या में भक्त नर्मदा नदी में डुबकी लगाने आते हैं। ऐसे में दूषित पानी उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव डाल सकता है।

गौरतलब है कि इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से 17 लोगों की मौतें हुई थीं जिसके बाद पूरे मध्यप्रदेश में पानी को लेकर दहशत व्याप्त है। उधर नगर निगम प्रशासन द्वारा दावा लगातार किया जा रहा है कि लैब में टेस्टिंग के बाद शहर में सभी जगह पूरी तरह शुद्ध पेयजल पहुंचाया जा रहा है। इसके साथ ही ये भी दावा किया जा रहा है कि मां नर्मदा में नालों का गंदा पानी नहीं मिल रहा है। लेकिन सांई धाम गौरीघाट स्थित रेलवे पंप हाउस के पास के हालात जो हकीकत बयां कर रहे हैं उससे तो साफ है कि नगर निगम प्रशासन का ये दावा खोखला साबित होता दिख रहा है।

रेलवे के पंप हाउस से नजदीक है नर्मदा नदी

जानकारी के अनुसार गौरीघाट सांईधाम के पास सुख सागर ब्लू कॉलोनी स्थित है जहां कई परिवार रह रहे हैं। इसी कॉलोनी के पीछे रेलवे का पंप हाउस भी है और नर्मदा नदी बिल्कुल नजदीक हैं। इसी कॉलोनी का गंदा पानी पीछे से होते हुए सीधे नर्मदा नदी में जाकर मिल रहा है जिसको लेकर जागरूकजनों ने आवाज उठाई है। अभिषेक मिश्रा, नितिन सहित अन्य जनों ने सोशल मीडिया में भी गंदे पानी की तस्वीर अपलोड करके अपनी आवाज को बुलंद करने का प्रयास किया है जिससे नर्मदा नदी दूषित होने से बच सकें और जिम्मेदार समय रहते जाग जाएं।